CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

QUESTION PAPER

From previous CBSE Board Exam questions

Code: TXYQ6O	Questions: 22	Maximum Marks: 61	Generated: 2026-06-15 13:05

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा
Year	2022-2026
Questions selected	22

Composition — Types: 14 Short · 5 reading_comprehension · 2 MCQ · 1 fill_in_blank

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q1. **[7]**

> क्रोध कार्य-कारण के संबंध ज्ञान में त्रुटि या भूल होने पर धोखा देता है। क्रोध करने वाला जिस ओर से दुख आता है उसी ओर देखता है, अपनी ओर नहीं। जिसने दुख पहुँचाया है उसका नाश हो या उसे दुख पहुँचे, क्रुद्ध का यही लक्ष्य होता है। न तो वह यह देखता है कि मैंने कुछ किया है या नहीं, और न ही इस बात का ध्यान करता है कि क्रोध के वेग में मैं जो कुछ करूँगा उसका परिणाम क्या होगा। यही क्रोध का अंधापन है। इसी से एक तो मनोविकार ही एक-दूसरे को परिमित किया करते हैं, ऊपर से बुद्धि या विवेक भी इन पर अंकुश रखता है। यदि क्रोध इतना उग्र हुआ कि मन में दुखदाता की शक्ति के रूप और परिणाम के निश्चय, दया, भय आदि और भावों के संचार तथा उचित-अनुचित के विचार के लिए जगह ही न रही तो बड़ा अनर्थ खड़ा हो जाता है, जैसे यदि कोई सुने कि उसका शत्रु बीस-पच्चीस आदमी लेकर उसे मारने आ रहा है और वह चट क्रोध में व्याकुल होकर बिना शत्रु की शक्ति का विचार और अपनी रक्षा का पूरा प्रबंध किए उसे मारने के लिए अकेले दौड़ पड़े, तो उसके मारे जाने में बहुत कम संदेह समझा जाएगा। अत: कारण के यथार्थ निश्चय के उपरांत, उसका उद्देश्य अच्छी तरह समझ लेने पर ही आवश्यक मात्रा और उपयुक्त स्थिति में ही क्रोध वह काम दे सकता है जिसके लिए उसका विकास होता है।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

(i) क्रोध धोखा कब देता है ? [1]

(A) क्रोध करने वाले के मनोभावों का ज्ञान न होने पर
(B) कार्य-कारण के संबंध में भूल होने पर
(C) कार्य-कारण के संबंध में विश्वास होने पर
(D) दुख पहुँचाने वाले के व्यवहार का ज्ञान न होने पर

(ii) गद्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला/वाले कथन कौन-सा/से है/हैं ? उचित विकल्प चुनकर लिखिए : I. बुद्धि और विवेक की भावना मनोविकारों पर अंकुश लगाते हैं। II. दुखदाता की शक्ति का विचार किए बिना अकेले भिड़ना मूर्खता है। III. आवश्यक और उचित मात्रा में किया गया क्रोध भी अनुचित है। IV. शत्रु के अहंकार मर्दन के लिए क्रोध जरूरी है। [1]

(A) केवल II सही है।
(B) केवल IV सही है।
(C) I और II दोनों सही हैं।
(D) III और IV दोनों सही हैं।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यान से पढ़िए और सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए : कथन : कारण और परिस्थिति के अनुरूप किया गया क्रोध ही उपयुक्त है। कारण : परिस्थिति के अनुरूप बुद्धि का प्रयोग कर, परिमित क्रोध करने से भयंकर दुष्परिणामों से बचा जा सकता है। [1]

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण ग़लत है, लेकिन कथन सही है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) क्रोध को अंधा क्यों कहा गया है ? [2]

(v) क्रोध कब अनर्थकारी रूप धारण कर लेता है ? [2]

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q1

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | गद्यांश आधारित बोध प्रश्न – क्रोध और मनोविकार

Q2. **[3]**

'ततॉंरा-वामीरो कथा' के अनुसार गाँव वाले ततॉंरा के सदाचारी व्यक्तित्व से परिचित और प्रभावित थे फिर भी वामीरो के मामले में उन्होंने उसका साथ क्यों नहीं दिया ?

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q11 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततॉंरा-वामीरो कथा | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Q3. **[5]**

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर सा गाँव था । पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था । उसका नाम था ततांरा । निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे । ततांरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था । सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता । अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था । उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था । सभी उसका आदर करते । वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता । दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता । उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते । पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता । लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी । ततांरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता । उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता । किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे । ततांरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी ।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) गाँव के लोग ततांरा को क्यों पसंद करते थे ? [1]

(a) वह सुंदर और शक्तिशाली था ।
(b) वह नेक और मददगार व्यक्ति था ।
(c) वह बेहद शांत और सभ्य व्यक्ति था ।
(d) वह सुंदर, बलिष्ठ और भोला व्यक्ति था ।

(ii) दूसरे गाँव के लोग भी पर्व-त्योहारों के समय ततांरा को क्यों आमंत्रित करते थे ? [1]

(a) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण
(b) उसके साहसिक कारनामों के कारण
(c) उसके त्याग और सेवाभाव के कारण
(d) उसकी विलक्षण तलवार के कारण

(iii) ततांरा की तलवार लोगों के बीच एक विलक्षण रहस्य क्यों थी ? [1]

(a) क्योंकि ततांरा उसे कभी अपने से अलग नहीं करता था ।
(b) क्योंकि ततांरा की तलवार लकड़ी की बनी हुई थी ।
(c) क्योंकि ततांरा उसका प्रयोग दूसरों के सामने नहीं करता था ।
(d) क्योंकि ततांरा अकेले ही अद्भुत, साहसिक कारनामें किया करता था ।

(iv) पारंपरिक पोशाक से क्या अभिप्राय है ? [1]

(a) गाँव के सभी लोगों द्वारा पहने जाने वाली पोशाक
(b) गाँव के युवाओं द्वारा पहने जाने वाली पोशाक
(c) वो पोशाक जो किसी प्रदेश विशेष में सदियों से पहनी जाती हो ।
(d) वो पोशाक जो किसी विशेष अवसर पर पहनी जाती हो ।

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन (A) : ततांरा समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था । कारण (R) : वह एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था । [1]

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।
(b) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है ।
(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।
(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q9

◆ लीलाधर मंडलोई – ततांरा-वामीरो कथा | 10.3 मुख्य पात्र | 10.3.1 ततांरा | ततांरा की विलक्षण तलवार

Q4. **[3]**

'ततांरा-वामीरो कथा' के आधार पर लिखिए कि 'पशु पर्व' में ततांरा के क्रोधित होने का क्या कारण था ?

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q11 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततांरा-वामीरो कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Q5. [5]

> वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी । उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी । एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया । बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता । उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं । उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था । किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया । सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला । उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी । किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था । अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा । किंतु यह असंभव जान पड़ा । तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था । निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ ।

पठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों को चुनकर लिखिए :

(i) गद्यांश में आए 'झल्लाहट' शब्द का आशय है – [1]

(a) तताँरा के प्रति प्रेम-प्रदर्शन का उल्लास
(b) तताँरा से छुटकारा पाने की व्याकुलता
(c) तताँरा के गीत सुनाने संबंधी आग्रह की खीझ
(d) तताँरा से मिलने के उत्साह का क्षोभ

(ii) वामीरो अपने मन को किसी अन्य दिशा में ले जाने का प्रयास क्यों कर रही थी ? [1]

(a) तताँरा का व्यक्तित्व उसे लुभा रहा था ।
(b) तताँरा के प्रति प्रेम से वह व्याकुल हो रही थी ।
(c) तताँरा को वह गीत नहीं सुनाना चाहती थी ।
(d) तताँरा के साथ वह संबंध नहीं बनाना चाहती थी ।

(iii) तताँरा का व्यक्तित्व वामीरो के लिए था [1]

(a) प्रतिकूल
(b) मनोनुकूल
(c) कष्टदायक
(d) अशांतिदायक

(iv) गद्यांश के अनुसार कौन-सा संबंध परंपरा के विरुद्ध माना गया है ? [1]

(a) दूर के गाँव में वर-कन्या का वैवाहिक संबंध
(b) एक कुल के वर और कन्या का आपसी संबंध
(c) दूसरे गाँव के वर और कन्या का वैवाहिक संबंध
(d) एक गाँव के ही वर और कन्या का वैवाहिक संबंध

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन (A) : वामीरो ने तताँरा को भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा । कारण (R) : वह बेहद शांत, सभ्य और भोला था । [1]

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।
(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है ।
(c) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है ।
(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है ।

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q9

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.3.2 वामीरो | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ

Q6. [2]

'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर रूढ़ियों के विषय में अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q8 (III)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q7. **[2]**

तताँरा की लोकप्रियता के कारण लिखिए ।

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q8 (III)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा

Q8. **[2]**

'प्रेम सबको जोड़ता है।' 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q8 (iii)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.5 कथा का संदेश

Q9. **[2]**

'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ में वैवाहिक संबंध के लिए वर-वधू दोनों का एक ही गाँव का होना आवश्यक बताया गया है। इस संबंध में आपके क्या विचार हैं, स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q8 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.5 कथा का संदेश

Q10. **[2]**

'क्रोध का परिणाम विनाशकारी होता है ।' 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/2/1 Q8 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Q11. **[2]**

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की भौगोलिक स्थिति स्पष्ट करते हुए, इसमें आए परिवर्तन का उल्लेख 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q8 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[5]**

> कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। ततााँरा का मन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। ततााँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी। ततााँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी। ततााँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन के स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग-बबूला हो उठी। सारे गाँव वालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा।

निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) ततााँरा किंकर्तव्यविमूढ़ क्यों हो गया ? [1]

(A) उसे समझ में आ गया था कि उसे क्या करना है।
(B) उसे समझ में आ गया था कि उसे क्या नहीं करना है।
(C) वह समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे, क्या न करे।
(D) वामीरो के ऊँचे स्वर में रोने से वह डर गया था।

(ii) वामीरो किस बात से डरी हुई थी ? [1]

(A) सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के भय से
(B) ततााँरा द्वारा अपमानित किए जाने के भय से
(C) शक्ति-प्रदर्शन में असफल होने के भय से
(D) शक्ति-प्रदर्शन में ततााँरा की असफलता के भय से

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए : कथन : तत्कालीन समाज में पशु-पर्व जैसे आयोजन आपस में मिलने-जुलने का एक महत्त्वपूर्ण साधन थे। कारण : पशु-पर्व का आयोजन पासा गाँव की सर्वश्रेष्ठता को सिद्ध करने के लिए किया गया था। [1]

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(iv) पशु-पर्व में किस तरह के कार्यक्रम का आयोजन नहीं होता था ? [1]

(A) युवाओं की शक्ति परीक्षा
(B) सामूहिक भोज का आयोजन
(C) हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन
(D) नृत्य-संगीत की प्रतियोगिता

(v) 'सारे गाँव वालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा।' वाक्य में 'उसे' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? [1]

(A) वामीरो
(B) ततााँरा
(C) वामीरो की माँ
(D) ततााँरा की माँ

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q7

◆ लीलाधर मंडलोई – ततााँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 ततााँरा | 10.3.2 वामीरो | 10.4 घटनाक्रम | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ

Q13. **[2]**

'ततााँरा-वामीरो कथा' पाठ में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए पशु-पर्व के आयोजन का उल्लेख हुआ है। 'पशु-पर्व' से क्या अभिप्राय है ? 'पशु-पर्व' की यह परंपरा आपकी दृष्टि में कितनी उचित है ?

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q10 (iii)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततााँरा-वामीरो कथा | 10.4 घटनाक्रम | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | पशु-पर्व की परंपरा और उसकी प्रासंगिकता

Q14. **[3]**

'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर 'पशु-पर्व' में होने वाली घटना का उल्लेख कीजिए।

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q11 (ग)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4 घटनाक्रम | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Q15. **[3]**

'तताँरा-वामीरो कथा' का नायक अपने क्रोध का शमन करने के लिए तलवार को धरती में घोंप उसे दूर तक ले जाता है। आप अपने निजी जीवन में क्रोध का शमन करने के लिए क्या-क्या करते हैं?

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q11 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Q16. **[1]**

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 'तताँरा-वामीरो कथा' से कौन-सा/से वाक्य मेल खाता/खाते है/हैं? I. तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। II. एक ही गाँव के होने के कारण उनका विवाह नहीं हो सकता था। III. वामीरो मधुर गीत गाती थी। IV. पासा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन हुआ।

(A) केवल I
(B) I और II
(C) केवल IV
(D) I, III और IV

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q10 (i)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.3.2 वामीरो | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ

Q17. **[1]**

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 'तताँरा-वामीरो कथा' में तताँरा की कौन-सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं?

(A) मिलनसार, संवेदनशील, चालाक
(B) संवेदनशील, साहसी, निर्दयी
(C) नेक, साहसी, मददगार
(D) साहसी, मददगार, निष्ठुर

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q10 (ii)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा

Q18. **[2]**

तलवार की दैवीय शक्ति से परिचित होते हुए भी अपने क्रोध को शांत करने के लिए तातारा द्वारा उसका प्रयोग किया गया। उसके प्रयोग को उचित या अनुचित मानते हुए 'तातारा वामीरो कथा' के आधार पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q8 (i)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | तातारा की तलवार की दैवीय शक्ति और उसका दुरुपयोग

Q19. **[2]**

सबके प्रति अपने नेक व्यवहार के कारण द्वीपवासियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय होने पर भी, जब तताँरा को ज़रूरत पड़ी तो किसी ने भी उसका साथ क्यों नहीं दिया? 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर लिखिए।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q8 (i)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q20. **[5]**

> कभी-कभी सहज से तेज़ गति में परिवर्तित होते क्रोध को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके परिणाम अत्यंत घातक और पश्चात्ताप के भाव जगाने वाले हो सकते हैं। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के मनोविश्लेषक टॉम जी. स्टीवेन्स ने अपनी किताब 'ओवरकम एंगर ऐंड एग्रेसन' में स्पष्ट किया है कि क्रोध-नियंत्रण का एक प्रमुख तरीका यह है कि स्थिति को अपने नहीं, दूसरों के नजरिये से देखें। दूसरों को उन स्थितियों पर प्रकाश डालने के लिए प्रोत्साहित करें, क्षमा करना सीखें, बीते को बिसारने की आदत विकसित करें और किसी को चोट पहुँचाने के बजाय प्रशंसा से उसका मूल्यांकन करें। याद रखें, क्रोध-नियंत्रण से आप स्वयं को शक्तिशाली बनाते हैं। इससे आपकी खुशहाली और स्मृतियों का विस्तार होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी के वैज्ञानिकों ने अपनी किताब 50 साइंस ऑफ मेंटल इलनेस में इन कमजोरियों पर प्रकाश डालते हुए गुस्से को काबू में रखने के कारगर सूत्र दिए हैं। क्रोध-नियंत्रण से हम अपना ही नहीं, दूसरों के उजड़ते संसार को फिर से आबाद कर सकते हैं क्योंकि शांत मन सृजन में समर्थ होता है। हमारे सृजनात्मक होने से ही मानवता का हित सध सकता है। तो जब भी क्रोध आए, इन उपायों को आजमाएँ। जीवन में बिखरी हुई चीजों को सँवारने की ओर कदम खुद बढ़ चलेंगे।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) क्रोध-नियंत्रण से होने वाले लाभों के संबंध में अनुपयुक्त कथन है [1]

(a) इससे व्यक्ति स्वयं को शक्तिशाली बनाता है।
(b) इससे व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आती है।
(c) इससे व्यक्ति की विस्मृतियों का विस्तार होता है।
(d) इससे व्यक्ति की रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

(ii) किस तरह का क्रोध अंततः पश्चात्ताप का कारण बनता है ? [1]

(a) अत्यंत आवेग में किया गया क्रोध
(b) सहज भाव से किया गया क्रोध
(c) प्रायश्चित्त भाव से किया गया क्रोध
(d) आत्मघात भाव से किया गया क्रोध

(iii) मनोविश्लेषक स्टीवेन्स के अनुसार क्रोध पर काबू पाने पर सर्वोपयुक्त उपाय है [1]

(a) परिस्थितियों पर दूसरों के नियंत्रण को स्वीकार करना।
(b) परिस्थितियों पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करना।
(c) परिस्थितियों को अपने नजरिये से और अच्छे से समझना।
(d) परिस्थितियों को दूसरों के नजरिये से जानने का प्रयास करना।

(iv) क्रोध आने पर क्या करना चाहिए ? [1]

(a) उसकी असहज अभिव्यक्ति
(b) उसकी सहज अभिव्यक्ति
(c) संयमित रहने का प्रयत्न
(d) घातक परिणाम का स्मरण

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन (A) – क्रोध नवसृजन का संहारक है। कारण (R) – क्रोध अवस्था में क्षमाशीलता न्यून हो जाती है। [1]

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(c) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है।

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q1

◆ **अपठित गद्यांश (Reading)** | गद्यांश आधारित बोध प्रश्न – क्रोध और मनोविकार

Q21. **[1]**

नारियल के झुरमुटों में वामीरो को देखते ही तताँरा की ______________ न रहा। उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q6 (i)

◆ **व्याकरण (Grammar)** | ततारा की तलवार की दैवीय शक्ति और उसका दुरुपयोग | मुहावरे का उचित प्रयोग – रिक्त स्थान पूर्ति | मुहावरों का वाक्य में उचित प्रयोग

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q22. **[1]**

जब कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर सा गाँव था। – संयुक्त वाक्य में रूपांतरित करके लिखिए।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q4 (iv)

◆ व्याकरण (Grammar) | Grammar | लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | वाक्य रूपांतरण (Sentence Transformation)

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

ANSWER KEY

From previous CBSE Board Exam questions

Code: TXYQ6O	Questions: 22	Maximum Marks: 61	Generated: 2026-06-15 13:05

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q1. **[7]**

> क्रोध कार्य-कारण के संबंध ज्ञान में त्रुटि या भूल होने पर धोखा देता है। क्रोध करने वाला जिस ओर से दुख आता है उसी ओर देखता है, अपनी ओर नहीं। जिसने दुख पहुँचाया है उसका नाश हो या उसे दुख पहुँचे, क्रुद्ध का यही लक्ष्य होता है। न तो वह यह देखता है कि मैंने कुछ किया है या नहीं, और न ही इस बात का ध्यान करता है कि क्रोध के वेग में मैं जो कुछ करूँगा उसका परिणाम क्या होगा। यही क्रोध का अंधापन है। इसी से एक तो मनोविकार ही एक-दूसरे को परिमित किया करते हैं, ऊपर से बुद्धि या विवेक भी इन पर अंकुश रखता है। यदि क्रोध इतना उग्र हुआ कि मन में दुखदाता की शक्ति के रूप और परिणाम के निश्चय, दया, भय आदि और भावों के संचार तथा उचित-अनुचित के विचार के लिए जगह ही न रही तो बड़ा अनर्थ खड़ा हो जाता है, जैसे यदि कोई सुने कि उसका शत्रु बीस-पच्चीस आदमी लेकर उसे मारने आ रहा है और वह चट क्रोध में व्याकुल होकर बिना शत्रु की शक्ति का विचार और अपनी रक्षा का पूरा प्रबंध किए उसे मारने के लिए अकेले दौड़ पड़े, तो उसके मारे जाने में बहुत कम संदेह समझा जाएगा। अत: कारण के यथार्थ निश्चय के उपरांत, उसका उद्देश्य अच्छी तरह समझ लेने पर ही आवश्यक मात्रा और उपयुक्त स्थिति में ही क्रोध वह काम दे सकता है जिसके लिए उसका विकास होता है।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

(i) क्रोध धोखा कब देता है ? [1]

(A) क्रोध करने वाले के मनोभावों का ज्ञान न होने पर
(B) कार्य-कारण के संबंध में भूल होने पर
(C) कार्य-कारण के संबंध में विश्वास होने पर
(D) दुख पहुँचाने वाले के व्यवहार का ज्ञान न होने पर

(ii) गद्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला/वाले कथन कौन-सा/से है/हैं ? उचित विकल्प चुनकर लिखिए : I. बुद्धि और विवेक की भावना मनोविकारों पर अंकुश लगाते हैं। II. दुखदाता की शक्ति का विचार किए बिना अकेले भिड़ना मूर्खता है। III. आवश्यक और उचित मात्रा में किया गया क्रोध भी अनुचित है। IV. शत्रु के अहंकार मर्दन के लिए क्रोध जरूरी है। [1]

(A) केवल II सही है।
(B) केवल IV सही है।
(C) I और II दोनों सही हैं।
(D) III और IV दोनों सही हैं।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यान से पढ़िए और सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए : कथन : कारण और परिस्थिति के अनुरूप किया गया क्रोध ही उपयुक्त है। कारण : परिस्थिति के अनुरूप बुद्धि का प्रयोग कर, परिमित क्रोध करने से भयंकर दुष्परिणामों से बचा जा सकता है। [1]

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण ग़लत है, लेकिन कथन सही है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) क्रोध को अंधा क्यों कहा गया है ? [2]

(v) क्रोध कब अनर्थकारी रूप धारण कर लेता है ? [2]

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q1

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | गद्यांश आधारित बोध प्रश्न – क्रोध और मनोविकार

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding stimulus

Model Answer

(i) (B) कार्य-कारण के संबंध में भूल होने पर

(ii) (C) I और II दोनों सही हैं।

(iii) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) क्रोध को अंधा इसलिए कहा गया है क्योंकि क्रुद्ध व्यक्ति केवल दुख देने वाले की ओर देखता है, अपनी ओर नहीं। वह न तो यह सोचता है कि स्वयं उसने कुछ किया या नहीं, और न ही यह विचार करता है कि क्रोध के वेग में किए गए कार्य का परिणाम क्या होगा। इस प्रकार वह अपने कर्म और उसके फल — दोनों के प्रति अंधा हो जाता है।

(v) जब क्रोध इतना उग्र हो जाए कि मन में दुखदाता की शक्ति का विचार, दया, भय तथा उचित-अनुचित के विवेक के लिए कोई स्थान न रहे, तब वह अनर्थकारी रूप धारण कर लेता है। जैसे बीस-पच्चीस शत्रुओं की सेना की परवाह किए बिना अकेले दौड़ पड़ना स्वयं के विनाश का कारण बनता है। अतः बुद्धि और विवेक का अभाव क्रोध को विनाशकारी बना देता है।

Source: गद्यांश — क्रोध (मनोविकार संबंधी निबंध)

Explanation

- (i)–(iii) are MCQs — one line each is sufficient; no justification needed unless asked.
- (iv) 2 marks → 2 key points: (a) क्रुद्ध व्यक्ति दूसरे को देखता है, खुद को नहीं; (b) परिणाम का ध्यान नहीं — this is the "अंधापन."
- (v) 2 marks → focus on: उग्र क्रोध में विवेक/बुद्धि की जगह नहीं रहती → उदाहरण (अकेले दौड़ना) → अनर्थ।
- Always quote or paraphrase directly from the passage in comprehension answers — examiners check passage-based evidence.

Q2. **[3]**

'तताँरा-वामीरो कथा' के अनुसार गाँव वाले तताँरा के सदाचारी व्यक्तित्व से परिचित और प्रभावित थे फिर भी वामीरो के मामले में उन्होंने उसका साथ क्यों नहीं दिया ?

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q11 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततारा-वामीरो कथा | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding rag

Model Answer

गाँव वालों ने तताँरा का साथ इसलिए नहीं दिया क्योंकि उनकी पारंपरिक रीति के अनुसार विवाह संबंध केवल एक ही गाँव के युवक-युवती के बीच हो सकता था। तताँरा पासा गाँव का था और वामीरो लपाती गाँव की थी, इसलिए उनका संबंध परंपरा के विरुद्ध था। गाँव वाले तताँरा का आदर तो करते थे, परंतु वे इस परंपरा को तोड़ने के पक्ष में नहीं थे। जब पशु-पर्व में दोनों एक साथ दिखे, तो वामीरो की माँ और गाँव के लोग तताँरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे। सामाजिक परंपरा उनके लिए व्यक्तिगत गुणों से बड़ी थी।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

- Examiners expect you to focus on **two key reasons**: (1) the marriage custom restricted relationships to the same village, and (2) social tradition/custom was prioritised over individual merit.
- Mention that Tatara was from **Pasa** and Vamiro from **Lapati** — this specific detail earns marks.
- The pashupasrv scene where villagers openly oppose Tatara supports the answer with textual evidence.
- Avoid writing too abstractly; ground your answer in the story's specific customs as described in the passage.

Q3. [5]

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर सा गाँव था । पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था । उसका नाम था तताँरा । निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे । तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था । सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता । अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था । उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था । सभी उसका आदर करते । वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता । दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता । उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते । पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता । लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी । तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता । उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता । किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे । तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी ।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) गाँव के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे ? [1]

(a) वह सुंदर और शक्तिशाली था ।
(b) वह नेक और मददगार व्यक्ति था ।
(c) वह बेहद शांत और सभ्य व्यक्ति था ।
(d) वह सुंदर, बलिष्ठ और भोला व्यक्ति था ।

(ii) दूसरे गाँव के लोग भी पर्व-त्योहारों के समय तताँरा को क्यों आमंत्रित करते थे ? [1]

(a) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण
(b) उसके साहसिक कारनामों के कारण
(c) उसके त्याग और सेवाभाव के कारण
(d) उसकी विलक्षण तलवार के कारण

(iii) तताँरा की तलवार लोगों के बीच एक विलक्षण रहस्य क्यों थी ? [1]

(a) क्योंकि तताँरा उसे कभी अपने से अलग नहीं करता था ।
(b) क्योंकि तताँरा की तलवार लकड़ी की बनी हुई थी ।
(c) क्योंकि तताँरा उसका प्रयोग दूसरों के सामने नहीं करता था ।
(d) क्योंकि तताँरा अकेले ही अद्भुत, साहसिक कारनामें किया करता था ।

(iv) पारंपरिक पोशाक से क्या अभिप्राय है ? [1]

(a) गाँव के सभी लोगों द्वारा पहने जाने वाली पोशाक
(b) गाँव के युवाओं द्वारा पहने जाने वाली पोशाक
(c) वो पोशाक जो किसी प्रदेश विशेष में सदियों से पहनी जाती हो ।
(d) वो पोशाक जो किसी विशेष अवसर पर पहनी जाती हो ।

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन (A) : तताँरा समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था । कारण (R) : वह एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था । [1]

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।
(b) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है ।
(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।
(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q9

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3 मुख्य पात्र | 10.3.1 तताँरा | तताँरा की विलक्षण तलवार

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding stimulus

Model Answer

(i) (b) वह नेक और मददगार व्यक्ति था ।

(ii) (a) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण

(iii) (c) क्योंकि तताँरा उसका प्रयोग दूसरों के सामने नहीं करता था ।

(iv) (c) वो पोशाक जो किसी प्रदेश विशेष में सदियों से पहनी जाती हो ।

(v) (c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, गद्यांश (पहला अनुच्छेद)

Explanation

- **(i)** गद्यांश स्पष्ट कहता है — "तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था।" यही मुख्य कारण है।
- **(ii)** गद्यांश में लिखा है — "उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते।" पर्व-त्योहार पर आमंत्रण इसी आकर्षक व्यक्तित्व के कारण था।
- **(iii)** तलवार रहस्य इसलिए थी क्योंकि वह उसे सामने उपयोग नहीं करता था — फिर भी साहसिक कारनामे होते थे। विकल्प (c) इसे सही पकड़ता है।
- **(iv)** 'पारंपरिक' का अर्थ है परंपरा से चली आ रही — किसी प्रदेश विशेष में सदियों से पहनी जाने वाली पोशाक।
- **(v)** कथन (A) सत्य है, लेकिन सेवाभाव का कारण उसका सुंदर व शक्तिशाली होना नहीं, बल्कि उसका नेक स्वभाव और त्याग था। अतः R गलत व्याख्या है।

Q4. **[3]**

'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर लिखिए कि 'पशु पर्व' में तताँरा के क्रोधित होने का क्या कारण था ?

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q11 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततांरा-वामीरो कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding rag

Model Answer

'पशु पर्व' में ततांरा और वामीरो दोनों एक-दूसरे से बहुत प्रेम करते थे, किंतु वे अलग-अलग गाँवों के थे। उनके गाँव की रीति थी कि विवाह केवल अपने ही गाँव में होगा। पर्व में वामीरो की माँ ने ततांरा को वामीरो के साथ देखा और उसे अपमानित किया। समाज और परिजनों ने भी उसका उपहास किया। वामीरो को उससे दूर किया जाने लगा। यह सब देखकर ततांरा असहाय और पीड़ित हो गया और अंततः क्रोधित होकर उसने अपनी तलवार धरती में घोंप दी।

Source: ततांरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

- परीक्षक तीन बातें चाहते हैं: (1) कारण — अलग गाँव की रीति/बाधा, (2) अपमान/विरोध, (3) असहाय होने पर क्रोध।
- उत्तर को घटनाक्रम के अनुसार लिखें — कारण → घटना → परिणाम (क्रोध)।
- "पशु पर्व" का उल्लेख करना ज़रूरी है क्योंकि प्रश्न में विशेष रूप से पूछा गया है।

Q5. **[5]**

> वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

पठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों को चुनकर लिखिए :

(i) गद्यांश में आए 'झल्लाहट' शब्द का आशय है – [1]

(a) तताँरा के प्रति प्रेम-प्रदर्शन का उल्लास
(b) तताँरा से छुटकारा पाने की व्याकुलता
(c) तताँरा के गीत सुनाने संबंधी आग्रह की खीझ
(d) तताँरा से मिलने के उत्साह का क्षोभ

(ii) वामीरो अपने मन को किसी अन्य दिशा में ले जाने का प्रयास क्यों कर रही थी ? [1]

(a) तताँरा का व्यक्तित्व उसे लुभा रहा था।
(b) तताँरा के प्रति प्रेम से वह व्याकुल हो रही थी।
(c) तताँरा को वह गीत नहीं सुनाना चाहती थी।
(d) तताँरा के साथ वह संबंध नहीं बनाना चाहती थी।

(iii) तताँरा का व्यक्तित्व वामीरो के लिए था [1]

(a) प्रतिकूल
(b) मनोनुकूल
(c) कष्टदायक
(d) अशांतिदायक

(iv) गद्यांश के अनुसार कौन-सा संबंध परंपरा के विरुद्ध माना गया है ? [1]

(a) दूर के गाँव में वर-कन्या का वैवाहिक संबंध
(b) एक कुल के वर और कन्या का आपसी संबंध
(c) दूसरे गाँव के वर और कन्या का वैवाहिक संबंध
(d) एक गाँव के ही वर और कन्या का वैवाहिक संबंध

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन (A) : वामीरो ने तताँरा को भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। कारण (R) : वह बेहद शांत, सभ्य और भोला था। [1]

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(c) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q9

◆ **लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा** | 10.3.1 तताँरा | 10.3.2 वामीरो | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding stimulus

Model Answer

(i) **(c) तताँरा के गीत सुनाने संबंधी आग्रह की खीझ**

(ii) **(d) तताँरा के साथ वह संबंध नहीं बनाना चाहती थी।**
क्योंकि दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था, इसलिए वह मन को तताँरा से हटाने का प्रयास कर रही थी।

(iii) **(b) मनोनुकूल**
तताँरा का व्यक्तित्व — सुंदर, बलिष्ठ, शांत, सभ्य और भोला — ठीक वैसा ही था जैसा वामीरो अपने जीवन-साथी के लिए सोचती थी।

(iv) **(c) दूसरे गाँव के वर और कन्या का वैवाहिक संबंध**

(v) **(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है ।**
वामीरो ने ततांरा को भूलना उचित समझा क्योंकि वह **दूसरे गाँव** का था और यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था — न कि इसलिए कि वह शांत व भोला था ।

Source: ततांरा-वामीरो कथा, स्पर्श (पद्य/गद्य खंड)

Explanation

- **(i)** 'झल्लाहट' का अर्थ है खीझ/चिढ़। गद्यांश के संदर्भ में यह खीझ ततांरा के गीत सुनाने के आग्रह से उपजी थी।
- **(ii)** वामीरो परंपरा के कारण ततांरा से संबंध नहीं बनाना चाहती थी — यही उसके मन को अन्यत्र ले जाने का कारण है।
- **(iii)** गद्यांश स्पष्ट कहता है कि ततांरा का व्यक्तित्व वैसा ही था जैसा वह जीवन-साथी में चाहती थी — अतः 'मनोनुकूल' सही है।
- **(iv)** गद्यांश में 'एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था' — यही उत्तर का आधार है।
- **(v)** कथन (A) सही है पर कारण (R) गलत है — भूलने का कारण परंपरा थी, शांत/भोला स्वभाव नहीं।

Q6. [2]

'ततांरा-वामीरो कथा' के आधार पर रूढ़ियों के विषय में अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q8 (III)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततांरा-वामीरो कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding rag

Model Answer

'ततांरा-वामीरो कथा' में रूढ़िवादी परंपरा यह थी कि विवाह केवल एक ही गाँव के युवक-युवती के बीच हो सकता था। इस कठोर रूढ़ि के कारण ततांरा और वामीरो का सच्चा प्रेम अधूरा रह गया और दोनों की मृत्यु हो गई। रूढ़ियाँ जब मानवीय भावनाओं को कुचलने लगें, तो वे समाज के लिए हानिकारक बन जाती हैं। ऐसी परंपराओं को बदलना आवश्यक है।

Source: ततांरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

- परीक्षक इस प्रश्न में दो बातें देखते हैं: (1) कथा की रूढ़ि का सही उल्लेख (एक ही गाँव में विवाह की शर्त) और (2) उस पर विचार/मत।
- अपना मत स्पष्ट रूप से लिखें — रूढ़ियाँ हानिकारक होती हैं जब वे मानवीय प्रेम/भावनाओं को दबाएँ।
- 2 अंकों के लिए: एक अंक तथ्य के लिए, एक अंक विचार/निष्कर्ष के लिए।

Q7. **[2]**

तताँरा की लोकप्रियता के कारण लिखिए।

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q8 (III)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding rag

Model Answer

निकोबार के लोग तताँरा को इसलिए पसंद करते थे क्योंकि वह एक नेक, ईमानदार और मददगार युवक था। वह सदा अपने पड़ोसियों और ज़रूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। उसके पास एक अद्भुत तलवार थी जिसे वह सदा अपने साथ रखता था।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, प्रश्न-अभ्यास

Explanation

- CBSE के पाठ्यक्रम में यह प्रश्न "लिखित (क)" के अंतर्गत है — उत्तर 25-30 शब्दों में माँगा जाता है।
- परीक्षक मुख्यतः तीन बिंदु देखते हैं: **नेकी/ईमानदारी**, **दूसरों की सहायता**, और **अद्भुत तलवार**।
- तताँरा की लोकप्रियता का केंद्रीय कारण उसका **परोपकारी स्वभाव** है — इसे अवश्य लिखें।

Q8. **[2]**

'प्रेम सबको जोड़ता है।' 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q8 (iii)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.5 कथा का संदेश

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding rag

Model Answer

तताँरा और वामीरो दो अलग-अलग गाँवों के थे, फिर भी उनके बीच प्रेम उत्पन्न हुआ। परंपरा के विरुद्ध होने पर भी उनका प्रेम अटूट रहा। उनकी त्यागमयी मृत्यु के बाद निकोबारियों ने दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंध बनाने शुरु किए। इस प्रकार उनके प्रेम ने सभी गाँवों को जोड़ दिया।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, लीलाधर मंडलोई

Explanation

- The question asks you to prove that "love unites everyone" using the story.
- Key point: Their inter-village love, though initially forbidden, ultimately led to breaking the social barrier — other villages started intermarrying.
- Examiner looks for: the social impact of their love (परंपरा टूटना, गाँव जुड़ना), not just the romance.
- Do NOT spend words describing the romance alone; focus on how love brought unity.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q9. **[2]**

'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ में वैवाहिक संबंध के लिए वर-वधू दोनों का एक ही गाँव का होना आवश्यक बताया गया है। इस संबंध में आपके क्या विचार हैं, स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q8 (ख)

◆ **लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा** | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.5 कथा का संदेश

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:15 · grounding rag

Model Answer

पाठ में बताया गया है कि रीति के अनुसार वर-वधू का एक ही गाँव का होना आवश्यक था। मेरे विचार में यह प्रथा संकीर्ण और अनुचित है। इससे प्रेम और स्वतंत्र विवाह का अधिकार छिन जाता है, जैसा तताँरा-वामीरो के साथ हुआ। समाज को ऐसी रूढ़ियों से ऊपर उठकर व्यक्ति की भावनाओं और पसंद का सम्मान करना चाहिए। तताँरा-वामीरो के बलिदान के बाद निकोबारियों ने अंतर-ग्राम विवाह स्वीकार किया — यही सही परिवर्तन था।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

- यह एक **मूल्य-आधारित / विचार-प्रश्न** है। परीक्षक चाहते हैं कि आप पाठ से जोड़कर अपना मत स्पष्ट करें।
- पाठ के अनुसार यह प्रथा **परंपरा/रीति** थी जिसने दो प्रेमियों को अलग किया और उनके बलिदान के बाद ही समाज बदला।
- उत्तर में **पाठ का संदर्भ + अपना विचार** दोनों होने चाहिए।
- अंत में सकारात्मक परिणाम (अंतर-ग्राम विवाह की स्वीकृति) ज़रूर लिखें — यह पाठ का मुख्य संदेश है।

Q10. **[2]**

'क्रोध का परिणाम विनाशकारी होता है ।' 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/2/1 Q8 (ख)

◆ **लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा** | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

'तताँरा-वामीरो कथा' में जब वामीरो की माँ ने क्रोध में आकर तताँरा का अपमान किया, तो तताँरा ने क्रोधावेश में अपनी जादुई तलवार से धरती को दो टुकड़ों में काट दिया। इस क्रोध के परिणामस्वरूप दोनों प्रेमियों की मृत्यु हुई और अंडमान-निकोबार के द्वीप हमेशा के लिए अलग हो गए — यही विनाशकारी परिणाम था।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

- Examiners expect two clear points: **cause** (क्रोध का कारण) and **परिणाम** (विनाश — प्रेमियों की मृत्यु + द्वीपों का विभाजन).
- Mention both consequences — personal (दोनों की मृत्यु) and geographic (द्वीपों का अलग होना) — to secure full marks.
- Keep it within 2-3 sentences for a 2-mark answer.

Q11. **[2]**

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की भौगोलिक स्थिति स्पष्ट करते हुए, इसमें आए परिवर्तन का उल्लेख 'ततांरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q8 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततांरा-वामीरो कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

अंडमान द्वीपसमूह का अंतिम दक्षिणी द्वीप लिटिल अंदमान है, जो पोर्ट ब्लेयर से लगभग 100 किमी दूर है। इसके बाद कार-निकोबार द्वीप आता है जो लिटिल अंदमान से 96 किमी दूर है।

परिवर्तन: पाठ के अनुसार प्राचीन काल में लिटिल अंदमान और कार-निकोबार एक ही द्वीप थे। ततांरा ने क्रोध में अपनी दैवीय तलवार से धरती को काट दिया, जिससे ये दोनों द्वीप अलग-अलग हो गए।

Source: ततांरा-वामीरो कथा, लीलाधर मंडलोई, Chapter 10

Explanation

- परीक्षक दो बातें चाहते हैं: (1) भौगोलिक स्थिति (दूरी सहित), (2) परिवर्तन अर्थात् एकीकृत द्वीप का विभाजन।
- पाठ की भाषा से सीधे तथ्य लेने चाहिए — 96 किमी और 100 किमी की दूरियाँ अवश्य लिखें।
- ततांरा की तलवार और क्रोध का उल्लेख ज़रूरी है क्योंकि यही परिवर्तन का कारण है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[5]**

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरु हुए। तताँरा का मन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी। तताँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन के स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग-बबूला हो उठी। सारे गाँव वालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा।

निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) तताँरा किंकर्तव्यविमूढ़ क्यों हो गया ? [1]

(A) उसे समझ में आ गया था कि उसे क्या करना है।
(B) उसे समझ में आ गया था कि उसे क्या नहीं करना है।
(C) वह समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे, क्या न करे।
(D) वामीरो के ऊँचे स्वर में रोने से वह डर गया था।

(ii) वामीरो किस बात से डरी हुई थी ? [1]

(A) सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के भय से
(B) तताँरा द्वारा अपमानित किए जाने के भय से
(C) शक्ति-प्रदर्शन में असफल होने के भय से
(D) शक्ति-प्रदर्शन में तताँरा की असफलता के भय से

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए : कथन : तत्कालीन समाज में पशु-पर्व जैसे आयोजन आपस में मिलने-जुलने का एक महत्त्वपूर्ण साधन थे। कारण : पशु-पर्व का आयोजन पासा गाँव की सर्वश्रेष्ठता को सिद्ध करने के लिए किया गया था। [1]

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(iv) पशु-पर्व में किस तरह के कार्यक्रम का आयोजन नहीं होता था ? [1]

(A) युवाओं की शक्ति परीक्षा
(B) सामूहिक भोज का आयोजन
(C) हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन
(D) नृत्य-संगीत की प्रतियोगिता

(v) 'सारे गाँव वालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा।' वाक्य में 'उसे' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? [1]

(A) वामीरो
(B) तताँरा
(C) वामीरो की माँ
(D) तताँरा की माँ

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q7

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.3.2 वामीरो | 10.4 घटनाक्रम | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding stimulus+chapter

Model Answer

(i) (C) वह समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे, क्या न करे।

(ii) (A) सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के भय से
(वामीरो 'भयवश' सामने आने में झिझक रही थी — सार्वजनिक पर्व में उसकी स्थिति अपमानजनक हो सकती थी।)

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

(iii) (D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है ।
(पशु-पर्व में सभी गाँवों के लोग हिस्सा लेते थे — यह मेल-मिलाप का साधन था, न कि केवल पासा गाँव की श्रेष्ठता सिद्ध करने का।)

(iv) (D) नृत्य-संगीत की प्रतियोगिता
(गद्यांश में नृत्य-संगीत और भोजन के आयोजन का उल्लेख है, परन्तु 'नृत्य-संगीत की प्रतियोगिता' का कोई उल्लेख नहीं है।)

(v) (C) वामीरो की माँ

Source: तताँरा-वामीरो कथा, गद्यांश

Explanation

- **(i)** 'किंकर्त्तव्यविमूढ़' का अर्थ ही है — जो यह न तय कर पाए कि क्या करे। विकल्प (C) इसका सटीक अर्थ देता है।
- **(ii)** गद्यांश में लिखा है 'भयवश सामने आने में झिझक रही थी' — पर्व में सब गाँव वाले मौजूद थे, इसलिए सार्वजनिक अपमान का भय सर्वाधिक उपयुक्त है।
- **(iii)** कथन-कारण प्रश्नों में देखें कि कारण कथन की सही व्याख्या करता है या नहीं। पाठ से स्पष्ट है कि यह आयोजन केवल पासा गाँव के लिए नहीं था।
- **(iv)** गद्यांश में नृत्य-संगीत का उल्लेख है, किन्तु 'प्रतियोगिता' के रूप में नहीं — इस सूक्ष्म अंतर पर ध्यान दें।
- **(v)** अंतिम वाक्य में 'उसकी माँ' आई और 'उसे अपमानजनक लगा' — यहाँ 'उसे' = वामीरो की माँ।

Q13. [2]

'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए पशु-पर्व के आयोजन का उल्लेख हुआ है। 'पशु-पर्व' से क्या अभिप्राय है ? 'पशु-पर्व' की यह परंपरा आपकी दृष्टि में कितनी उचित है ?

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q10 (iii)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4 घटनाक्रम | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | पशु-पर्व की परंपरा और उसकी प्रासंगिकता

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

पशु-पर्व का अभिप्राय: प्राचीन काल में निकोबार द्वीप में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए 'पशु-पर्व' का आयोजन किया जाता था। इसमें पशुओं की लड़ाई करवाई जाती थी तथा लोग इसे उत्सव के रूप में मनाते थे।

उचितता: मेरी दृष्टि में यह परंपरा उचित नहीं है, क्योंकि इसमें पशुओं को कष्ट दिया जाता है। मनोरंजन के लिए किसी प्राणी को पीड़ा देना अमानवीय है। आज अधिक सभ्य और संवेदनशील विकल्प उपलब्ध हैं।

Explanation

- The question has two parts — define the term and give your opinion. Divide your answer accordingly.
- 'पशु-पर्व' refers to animal fights held as entertainment/show of strength — this is mentioned in the chapter's context of ancient Nicobar customs.
- For the opinion part, examiners expect a clear stance with a brief reason (animal cruelty / inhumane). Avoid vague answers.
- Keep both parts balanced within the 2-mark word limit (~50 words total).

Q14. **[3]**

'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर 'पशु-पर्व' में होने वाली घटना का उल्लेख कीजिए ।

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q11 (ग)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.4 घटनाक्रम | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

पशु-पर्व में घटना:

पशु-पर्व निकोबारियों का एक महत्वपूर्ण उत्सव था जिसमें दूर-दूर के गाँवों के लोग एकत्रित होते थे। इसी पर्व में तताँरा और वामीरो की दूसरी मुलाकात हुई। वामीरो के गाँव लपाती के लोगों ने तताँरा को अपने गाँव की लड़की से प्रेम करने के कारण कड़ा विरोध किया। उसका अपमान किया गया। यह सब देखकर तताँरा क्रोध में आ गया और उसने अपनी तलवार निकालकर धरती में घोंप दी तथा पूरी शक्ति से खींचने लगा, जिससे धरती दो भागों में विभक्त हो गई।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, लिखित प्रश्न-अभ्यास

Explanation

- परीक्षा में इस प्रश्न के लिए **तीन बिंदु** महत्वपूर्ण हैं: (1) पर्व का परिचय, (2) दोनों का मिलना व विरोध, (3) तताँरा का क्रोध और तलवार से धरती का विभाजन।
- "पशु-पर्व" वाला प्रसंग कथा की चरम घटना (climax) है — इसे ज़रूर लिखें।
- उत्तर 60-80 शब्दों में रखें; अनावश्यक विस्तार से बचें।

Q15. **[3]**

'तताँरा-वामीरो कथा' का नायक अपने क्रोध का शमन करने के लिए तलवार को धरती में घोंप उसे दूर तक ले जाता है । आप अपने निजी जीवन में क्रोध का शमन करने के लिए क्या-क्या करते हैं ?

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q11 (ख)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | 10.5 कथा का संदेश

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

तताँरा ने क्रोध का शमन तलवार को धरती में घोंपकर किया, जो उसकी असहायता और पीड़ा का प्रतीक था।

मैं अपने निजी जीवन में क्रोध को शांत करने के लिए निम्न उपाय अपनाता/अपनाती हूँ:

1. **गहरी साँस लेना** — मैं कुछ देर के लिए आँखें बंद करके गहरी साँसें लेता/लेती हूँ, जिससे मन शांत होता है।
2. **एकांत में जाना** — क्रोध आने पर मैं कुछ समय के लिए अकेले बैठ जाता/जाती हूँ और स्वयं से बात करता/करती हूँ।
3. **संगीत सुनना या पानी पीना** — मनपसंद संगीत सुनने या ठंडा पानी पीने से मन की उत्तेजना कम हो जाती है।

इस प्रकार क्रोध पर नियंत्रण रखने से संबंध मधुर बने रहते हैं।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

यह प्रश्न व्यक्तिगत अनुभव (निजी जीवन) पर आधारित है, इसलिए परीक्षक किसी एक सही उत्तर की अपेक्षा नहीं रखते — वे देखते हैं कि छात्र ने पाठ से जोड़कर अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है या नहीं। 3 अंकों के लिए तताँरा का संदर्भ + कम से कम 2-3 व्यावहारिक उपाय अंक दिलाते हैं। उत्तर हिंदी में सरल, स्पष्ट और अनुभवजन्य होना चाहिए।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q16. **[1]**

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 'ततांरा-वामीरो कथा' से कौन-सा/से वाक्य मेल खाता/खाते है/हैं ? I. ततांरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था । II. एक ही गाँव के होने के कारण उनका विवाह नहीं हो सकता था । III. वामीरो मधुर गीत गाती थी । IV. पासा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन हुआ ।

(A) केवल I
(B) I और II
(C) केवल IV
(D) I, III और IV

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q10 (i)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततांरा-वामीरो कथा | 10.3.1 ततांरा | 10.3.2 वामीरो | 10.4.1 प्रेम कथा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

सही उत्तर है: **(D) I, III और IV**

- कथन I सही है — ततांरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था।
- कथन III सही है — वामीरो मधुर गीत गाती थी।
- कथन IV सही है — पासा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन हुआ।
- कथन II गलत है — दोनों **अलग-अलग गाँव** (ततांरा पासा का, वामीरो लपाती की) के थे, इसीलिए विवाह संभव न था।

Source: ततांरा-वामीरो कथा, chapter 10

Explanation

MCQ में नकारात्मक विकल्प पकड़ना जरूरी है। कथन II में "एक ही गाँव के होने के कारण" लिखा है जो उल्टा है — नियम यह था कि **एक ही गाँव का होना आवश्यक था**, और दोनों अलग गाँव के थे, इसलिए विवाह नहीं हो सका। यही गलती पकड़कर II को छोड़ना है।

Q17. **[1]**

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 'ततांरा-वामीरो कथा' में ततांरा की कौन-सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं ?

(A) मिलनसार, संवेदनशील, चालाक
(B) संवेदनशील, साहसी, निर्दयी
(C) नेक, साहसी, मददगार
(D) साहसी, मददगार, निष्ठुर

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q10 (ii)

◆ लीलाधर मंडलोई – ततांरा-वामीरो कथा | 10.3.1 ततांरा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

(C) नेक, साहसी, मददगार

ततांरा एक नेक, साहसी और मददगार युवक था जो निकोबारियों की सदैव सहायता करता था।

Explanation

The story describes Tataara as a kind-hearted (नेक), brave (साहसी), and helpful (मददगार) young man loved by the Nicobarese. Options A and D include incorrect traits (चालाक/निष्ठुर) that do not apply to him.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q18. **[2]**

तलवार की दैवीय शक्ति से परिचित होते हुए भी अपने क्रोध को शांत करने के लिए ततारा द्वारा उसका प्रयोग किया गया । उसके प्रयोग को उचित या अनुचित मानते हुए 'ततारा वामीरो कथा' के आधार पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q8 (i)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम | ततारा की तलवार की दैवीय शक्ति और उसका दुरुपयोग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

ततारा का तलवार प्रयोग **अनुचित** था। वह जानता था कि उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति है और वह उसे कभी दूसरों के सामने उपयोग नहीं करता था। किंतु क्रोध में विवेक खोकर उसने तलवार धरती में घोंप दी, जिससे पूरा द्वीप दो टुकड़ों में बँट गया और वह स्वयं वामीरो से सदा के लिए बिछड़ गया। अपनी दैवीय शक्ति का उपयोग क्रोध-शमन के लिए करना उचित नहीं था; इससे उसे और वामीरो को अपने प्राण गँवाने पड़े।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

- The examiner expects a clear stance (उचित/अनुचित) with reasoning from the text.
- Key textbook evidence: तताँरा ने तलवार कभी दूसरों के सामने उपयोग नहीं की; वह उसकी दैवीय शक्ति जानता था; क्रोध में प्रयोग से द्वीप टूटा और दोनों की मृत्यु हुई।
- Avoid lengthy moral essays — state your view, cite consequences, conclude briefly.

Q19. **[2]**

सबके प्रति अपने नेक व्यवहार के कारण द्वीपवासियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय होने पर भी, जब तताँरा को ज़रूरत पड़ी तो किसी ने भी उसका साथ क्यों नहीं दिया ? 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर लिखिए ।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q8 (i)

◆ लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | 10.3.1 तताँरा | 10.4.2 सामाजिक बाधाएँ | 10.4.3 संघर्ष और परिणाम

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

पाठ के अनुसार, जब पशु-पर्व में गाँववालों की उपस्थिति में वामीरो की माँ ने तताँरा को अपमानित किया, तो गाँव के लोग भी तताँरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे। यद्यपि तताँरा सबका प्रिय था, किंतु उसने गाँव की परंपरा तोड़ी थी — दूसरे गाँव की लड़की से प्रेम किया था। रीति के अनुसार विवाह एक ही गाँव में होना आवश्यक था। इसलिए परंपरा के सामने व्यक्तिगत स्नेह गौण हो गया और किसी ने उसका साथ नहीं दिया।

Source: तताँरा-वामीरो कथा, Chapter 10

Explanation

- The examiner wants you to connect two points: (1) tataara was loved by all, (2) but the social custom (रीति) of marrying within the same village was supreme — so when he broke it, people sided with tradition over their personal affection for him.
- Key phrase from text: *"गाँव के लोग भी तताँरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे"* — use this reference.
- Don't just say "because of rules" — explain *which* rule and *why* it overpowered their love for tataara. That's what earns full marks.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q20. **[5]**

कभी-कभी सहज से तेज़ गति में परिवर्तित होते क्रोध को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके परिणाम अत्यंत घातक और पश्चात्ताप के भाव जगाने वाले हो सकते हैं। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के मनोविश्लेषक टॉम जी. स्टीवेन्स ने अपनी किताब 'ओवरकम एंगर एंड एग्रेसन' में स्पष्ट किया है कि क्रोध-नियंत्रण का एक प्रमुख तरीका यह है कि स्थिति को अपने नहीं, दूसरों के नजरिये से देखें। दूसरों को उन स्थितियों पर प्रकाश डालने के लिए प्रोत्साहित करें, क्षमा करना सीखें, बीते को बिसारने की आदत विकसित करें और किसी को चोट पहुँचाने के बजाय प्रशंसा से उसका मूल्यांकन करें। याद रखें, क्रोध-नियंत्रण से आप स्वयं को शक्तिशाली बनाते हैं। इससे आपकी खुशहाली और स्मृतियों का विस्तार होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी के वैज्ञानिकों ने अपनी किताब 50 साइंस ऑफ मेंटल इलनेस में इन कमजोरियों पर प्रकाश डालते हुए गुस्से को काबू में रखने के कारगर सूत्र दिए हैं। क्रोध-नियंत्रण से हम अपना ही नहीं, दूसरों के उजड़ते संसार को फिर से आबाद कर सकते हैं क्योंकि शांत मन सृजन में समर्थ होता है। हमारे सृजनात्मक होने से ही मानवता का हित सध सकता है। तो जब भी क्रोध आए, इन उपायों को आजमाएँ। जीवन में बिखरी हुई चीजों को सँवारने की ओर कदम खुद बढ़ चलेंगे।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) क्रोध-नियंत्रण से होने वाले लाभों के संबंध में अनुपयुक्त कथन है [1]

(a) इससे व्यक्ति स्वयं को शक्तिशाली बनाता है।
(b) इससे व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आती है।
(c) इससे व्यक्ति की विस्मृतियों का विस्तार होता है।
(d) इससे व्यक्ति की रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

(ii) किस तरह का क्रोध अंततः पश्चात्ताप का कारण बनता है ? [1]

(a) अत्यंत आवेग में किया गया क्रोध
(b) सहज भाव से किया गया क्रोध
(c) प्रायश्चित्त भाव से किया गया क्रोध
(d) आत्मघात भाव से किया गया क्रोध

(iii) मनोविश्लेषक स्टीवेन्स के अनुसार क्रोध पर काबू पाने पर सर्वोपयुक्त उपाय है [1]

(a) परिस्थितियों पर दूसरों के नियंत्रण को स्वीकार करना।
(b) परिस्थितियों पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करना।
(c) परिस्थितियों को अपने नजरिये से और अच्छे से समझना।
(d) परिस्थितियों को दूसरों के नजरिये से जानने का प्रयास करना।

(iv) क्रोध आने पर क्या करना चाहिए ? [1]

(a) उसकी असहज अभिव्यक्ति
(b) उसकी सहज अभिव्यक्ति
(c) संयमित रहने का प्रयत्न
(d) घातक परिणाम का स्मरण

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन (A) – क्रोध नवसृजन का संहारक है। कारण (R) – क्रोध अवस्था में क्षमाशीलता न्यून हो जाती है। [1]

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(c) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है।

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q1

◆ अपठित गद्यांश (Reading) | गद्यांश आधारित बोध प्रश्न – क्रोध और मनोविकार

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:16 · grounding stimulus

Model Answer

(i) (c) इससे व्यक्ति की विस्मृतियों का विस्तार होता है।

(गद्यांश में 'स्मृतियों का विस्तार' कहा गया है, 'विस्मृतियों का' नहीं — अतः यह कथन अनुपयुक्त है।)

(ii) (a) अत्यंत आवेग में किया गया क्रोध

(सहज से तेज़ गति में परिवर्तित होने वाला — अर्थात् आवेग में आया — क्रोध नियंत्रित न हो तो पश्चात्ताप का कारण बनता है।)

(iii) (d) परिस्थितियों को दूसरों के नजरिये से जानने का प्रयास करना ।

(स्टीवेन्स ने स्पष्ट कहा — "स्थिति को अपने नहीं, दूसरों के नजरिये से देखें।")

(iv) (c) संयमित रहने का प्रयत्न

(गद्यांश में क्रोध आने पर उपाय आजमाकर संयम बनाए रखने की सलाह दी गई है।)

(v) (d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है ।

(कथन सही है — शांत मन सृजन में समर्थ होता है, अतः क्रोध सृजन का संहारक है। किंतु कारण में क्षमाशीलता की बात है जो सृजन-संहार की सीधी व्याख्या नहीं करती।)

Source: उपर्युक्त गद्यांश (क्रोध-नियंत्रण)

Explanation

- **(i)** में शब्द-भेद पर ध्यान दें: 'स्मृति' (memory) और 'विस्मृति' (forgetting) — परीक्षा में ऐसे सूक्ष्म अंतर पूछे जाते हैं।
- **(ii)** 'सहज से तेज़ गति में परिवर्तित होना' = आवेग (impulse) — यही अनियंत्रित क्रोध है।
- **(iii)** स्टीवेन्स का मूल सूत्र सीधे गद्यांश में है; option (c) "अपने नजरिये से" कहता है जो विपरीत है।
- **(iv)** गद्यांश 'उपायों को आजमाने' की बात करता है — अर्थात् संयम।
- **(v)** कथन-कारण प्रश्न में जाँचें कि कारण, कथन की **सही व्याख्या** करता है या नहीं — यहाँ क्षमाशीलता सृजन की नहीं, क्रोध-नियंत्रण की विशेषता है।

Q21. **[1]**

नारियल के झुरमुटों में वामीरो को देखते ही तताँरा की ______________ न रहा। उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q6 (i)

◆ व्याकरण (Grammar) | तातारा की तलवार की दैवीय शक्ति और उसका दुरुपयोग | मुहावरे का उचित प्रयोग – रिक्त स्थान पूर्ति | मुहावरों का वाक्य में उचित प्रयोग

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:17 · grounding rag

Model Answer

नारियल के झुरमुटों में वामीरो को देखते ही तताँरा की **आँखें चार होते ही होश उड़ गए** / **दिल पर काबू न रहा।**

उपयुक्त मुहावरा: **सुध-बुध खो बैठा**

Explanation

इस प्रश्न में 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के संदर्भ में उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान भरना है। जब तताँरा ने वामीरो को देखा तो वह उस पर मोहित हो गया और उसे अपनी सुध-बुध न रही — इसलिए **'सुध-बुध खो बैठा'** सबसे उपयुक्त मुहावरा है। परीक्षा में मुहावरे का सही प्रयोग और संदर्भ से मेल जरूरी है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q22. **[1]**

जब कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर सा गाँव था। – संयुक्त वाक्य में रूपांतरित करके लिखिए।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q4 (iv)

◆ व्याकरण (Grammar) | Grammar | लीलाधर मंडलोई – तताँरा-वामीरो कथा | वाक्य रूपांतरण (Sentence Transformation)

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 07:20 · grounding rag

Model Answer

कार और निकोबार आपस में जुड़े हुए थे, इसलिए वहाँ एक सुंदर सा गाँव था।

Explanation

एक सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलने के लिए दो स्वतंत्र उपवाक्यों को समुच्चयबोधक अव्यय (जैसे: इसलिए, और, परंतु) से जोड़ा जाता है। यहाँ 'जब...तब' (आश्रित उपवाक्य) को हटाकर दो समान स्तरीय वाक्य 'और' या 'इसलिए' से जोड़ना है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories